❀ ओ३म् ❀

हम आर्य हैं

आर्य्य हमारा नाम है, वेद हमारा धर्म ।
ओ३म् हमारा देव है, सत्य हमारा कर्म ॥

पं० भद्रसेन आचार्य्य
विरजानन्द वेद विद्यालय अजमेर
द्वारा लिखित

तथा

कुंवर ज़ालिमसिंह कोठारी बी० ए०,
भूतपूर्व दीवान राज्य बांसवाड़ा तथा
प्रधान आर्य्य प्रतिनिधि सभा
राजस्थान व मालवा द्वारा
प्रकाशित

तथा

थमल लूणिया द्वारा
आदर्श प्रेस, केसरगंज अजमेर में मुद्रित

मूल्य एक आना

आर्य्य संवत्
१९७२९४९०३६